।।मेरा श्याम बड़ा रंगीला।।

दोहा:
रंगीले घनश्याम को, बरसै रंग अपार
छीटा जै के लागगा, वो हो गया भव सूँ पार ।।

मेरा श्याम बड़ा रंगीला ...

मस्ती बरसेगी, कीर्तन में।
कोई श्याम को रिझाकर देखे,
उमरिया सुधरेगी, कीर्तन में।।

कोई श्याम को सजाकर देखे,
खुशबू महकेगी, कीर्तन में।।

कोई श्याम को नचाकर देखे,
मुरलिया गूंजेगी, कीर्तन में।।

“नन्दू” चलो भजन सुणावां,
चदरिया निखरेगी, कीर्तन में।।

Downloaded from khatunareshshyambaba.in
Website design & developed by syllogisticinoftech.com